नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 164
दि. 13.10.2025,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

गाजा शांति वार्ता में भारत को भी बुलावा, पीएम मोदी ने भेजा अपना दूत; क्या है प्लान

(जीएनएस)।

गाजा में शांति बहाली के लिए मिस्र में होने जा रही बैठक में भारतीय पक्ष की भी मौजूदगी होगी। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह सोमवार को मिस्र के शहर शर्म अल शेख में आयोजित शांति शिखर सम्मेलन में जाएंगे। खास बात है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और मिस्र के उनके समकक्ष अब्देल फतेह अल सीसी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को न्योता भेजा था। इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और लगभग 20 अन्य वैश्विक नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है।

भारत ने सिंह को इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री के विशेष प्रतिनिधि के तौर पर हिस्सा लेने के लिए अधिकृत किया है। सिंह ने एक्स पर लिखा, 'शर्म अल-शेख में गाजा शांति शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विशेष प्रतिनिधि के रूप में मैं ऐतिहासिक शहर काहिरा पहुंच गया हूं।' मिस्र के राष्ट्रपति की मेजबानी में हो रहे शर्म अल-शेख शांति शिखर सम्मेलनह्न में गाजा के साथ-साथ पश्चिम एशिया में व्यापक स्थायी शांति लाने के तौर-तरीकों पर चर्चा की जाएगी। इसकी सह-अध्यक्षता अल-सीसी और ट्रंप करेंगे।

खास बात है कि ऐन मौके पर मिले पीएम मोदी को न्योते के बाद सिंह को भेजने का फैसला लिया गया है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी बैठक में शामिल हो सकते हैं, जिसके मद्देनजर सिंह को भेजने का निर्णय हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत इस बात का जोखिम नहीं उठाना चाहता था कि ट्रंप और शरीफ के एक मंच पर आने के बाद स्थिति कैसी बनेगी।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस इस शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले नेताओं में शामिल होंगे।

मिस्र की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, 'शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप करेंगे, जिसमें 20 से ज्यादा देशों के नेता हिस्सा लेंगे।' इसमें कहा गया, 'शिखर सम्मेलन का उद्देश्य गाजा पट्टी में युद्ध को समाप्त करना और पश्चिम एशिया में शांति एवं स्थिरता लाने के प्रयासों को बढ़ाना है।'

मुख्यमंत्री ने लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के 150वीं जयन्ती वर्ष के उपलक्ष्य में होने वाले सरदार@150 यूनिटी मार्च कार्यक्रम के सम्बन्ध में मीडिया प्रतिनिधियों से संवाद किया

31 अक्टूबर से 26 नवम्बर, 2025 तक सरदार@150 यूनिटी मार्च का आयोजन किया जाएगा : मुख्यमंत्री

लौहपुरुष सरदार पटेल महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व अखण्ड भारत के शिल्पी, उन्होंने देश के अन्दर सैकड़ों रियासतों को भारत गणराज्य का हिस्सा बनाने के लिए दूरदर्शिता व सूझ-बूझ के साथ कार्य किया

प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में पूरा देश वर्ष 2014 से लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की पावन जयन्ती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाता

दुनिया की सबसे ऊँची प्रतिमा स्टेच्यू ऑफ यूनिटी, गुजरात में केवड़िया के पास स्थापित, यह स्थल भारत की एक नयी प्रेरणा स्थली तथा पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित हो चुका

केन्द्रीय खेल और युवा कल्याण विभाग मंत्रालय द्वारा युवाओं के लिए होने वाले विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों हेतु एक पोर्टल जारी किया गया

प्रदेश के प्रत्येक जनपद में 31 अक्टूबर को रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा

प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र व विधान सभा क्षेत्र में 08 से 10 कि0मी0 की एक पदयात्रा निकाली जाएगी, पदयात्रा के कार्यक्रम में जनपद के 05 प्रतिनिधियों को बस द्वारा सरदार पटेल की पावन जन्मभूमि करमसर ले जाया जाएगा

150 कि0मी0 लम्बी पदयात्रा में देश भर से आए हुए युवाओं को आपस में मिलने और उस कार्यक्रम का हिस्सा बनने का अवसर प्राप्त होगा

भारत की एकता और अखण्डता के लिए सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के योगदान पर आधारित निबन्ध एवं वादविवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं के लिए ह्यनशा मुक्त भारतह्न शपथ ग्रहण का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी 42 अक्टूबर, 2025 को अपने सरकारी आवास पर लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के 450वीं जयन्ती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले 'सरदार@50 यूनिटी मार्च' कार्यक्रम के सम्बन्ध में मीडिया प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए।

स्थानीय हस्तशिल्पियों, कारीगरों व श्रमिकों की कला को सम्मान देने व उत्पादों को बाजार से जोड़ने के लिए सरकार द्वारा उत्पादों की ब्राण्डिंग, पैकेजिंग व टेक्नोलॉजी से जोड़ने के लिए पूरा सहयोग किया जा रहा

पद यात्रा के दौरान स्थानीय कमेटियों, समाजसेवी व सांस्कृतिक संगठनों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में सरदार पटेल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा

अभियान के माध्यम से सम्पूर्ण देश को प्रधानमंत्री जी के वर्ष 2047 तक देश को विकसित बनाने की संकल्पना के साथ जोड़ा जाएगा

अखण्ड भारत से आत्मनिर्भर भारत तथा आत्मनिर्भर भारत से विकसित भारत बनेगा

लखनऊ : 12 अक्टूबर, 2025

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी होने के साथ ही अखण्ड भारत के शिल्पी भी हैं। देश के अन्दर सैकड़ों रियासतों को भारत गणराज्य का हिस्सा बनाने और भारत को उसका वर्तमान स्वरूप देने के लिए उन्होंने दूरदर्शिता व सूझ-बूझ के साथ कार्य किया। उस समय जूनागढ़ के नवाब और हैदराबाद के निजाम कुछ शासक अपनी मनमानी करना चाहते थे। लेकिन सरदार वल्लभ भाई पटेल के दृढ़ निश्चय के सामने इन शासकों को भारत छोड़ना पड़ा और यह दोनों रियासतें भी भारत का हिस्सा बनीं।

मुख्यमंत्री जी आज अपने सरकारी आवास पर लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के 150वीं जयन्ती वर्ष के उपलक्ष्य में 31 अक्टूबर से 26 नवम्बर, 2025 तक आयोजित होने वाले सरदार@150 यूनिटी मार्च कार्यक्रम के सम्बन्ध में मीडिया प्रतिनिधियों को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में पूरा देश वर्ष 2014 से लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की पावन जयन्ती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाता है। इस दिन रन फॉर यूनिटी के कार्यक्रम का आयोजन वर्ष 2014 से ही किया जा रहा है। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन और नेतृत्व में गुजरात में सरदार सरोवर के पास दुनिया की सबसे बड़ी प्रतिमा स्टेच्यू ऑफ यूनिटी स्थापित की गयी है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सम्पूर्ण देश का योगदान प्राप्त करने के लिए वर्ष 2014 में गांव, गरीब, किसान व नौजवानों के माध्यम से लौह संग्रहण और मातृभूमि की मिट्टी का संग्रहण किया गया था, जिससे दुनिया की सबसे ऊँची प्रतिमा गुजरात में केवड़िया के पास स्थापित हुई। यह स्थल अब भारत की एक नयी प्रेरणा स्थली तथा पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित हो चुका है। हमारे लिए सौभाग्य का विषय है कि देश स्वतंत्र भारत के प्रथम गृह मंत्री और उप प्रधानमंत्री लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयन्ती मना

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने सुप्रसिद्ध तीर्थ क्षेत्र महुड़ी में भगवान घंटाकर्ण का दर्शन-पूजन किया

भगवान घंटाकर्ण महावीर की आरती और पूजा-अर्चना कर राज्य के नागरिकों की सुख-समृद्धि, शांति और विकास के लिए प्रार्थना की

गांधीनगर, 12 अक्टूबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को सुप्रसिद्ध जैन तीर्थ स्थल महुड़ी जिनालय में भगवान घंटाकर्ण की आरती और पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल राज्य में चल रहे विकास सप्ताह के जश्न के अंतर्गत गांधीनगर जिले में विकास रथ के प्रस्तान के लिए महुड़ी में मौजूद थे, इस दौरान उन्होंने महुड़ी तीर्थ क्षेत्र में भगवान घंटाकर्ण के दर्शन किए। उन्होंने भगवान घंटाकर्ण की आरती और पूजा-अर्चना कर राज्य के सभी नागरिकों की सुख-समृद्धि, शांति और विकास के लिए प्रार्थना की।

बिहार चुनाव से पहले बड़ा झटका! राघोपुर में प्रशांत किशोर पर एफआईआर, किस मामले में फंसे जनसुराज के नेता

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले जन सुराज अभियान के संयोजक प्रशांत किशोर (PK) पर एफआईआर दर्ज होने से राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है। चुनावी नियमों की अनदेखी की। मामला वैशाली जिले के राघोपुर थाना क्षेत्र का है-यानी वही इलाका जो तेजस्वी यादव का पारंपरिक गढ़ माना जाता है। आइए जानें पूरा मामला क्या है और किस बात पर एफआईआर दर्ज हुई है। राघोपुर के अंचलाधिकारी दीपक कुमार ने थाने में आवेदन देकर शिकायत की कि प्रशांत किशोर ने शनिवार (11 अक्टूबर) को सैकड़ों समर्थकों के काफिले के साथ राघोपुर में जनसभा की।

सप्ताह में दूसरी बार मिले उद्धव और राज ठाकरे, बीएमसी चुनाव से पहले क्या हुई बात?

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने रविवार, 12 अक्टूबर को अपने चचेरे भाई और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) प्रमुख उद्धव ठाकरे के मुंबई स्थित आवास मातोश्री का पहुंचे। यह एक सप्ताह के भीतर उनका दूसरा दौरा था, जिसने राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है।

जब पत्रकारों ने इस मुलाकात के पीछे के मकसद के बारे में पूछा, तो राज ठाकरे ने संक्षिप्त रूप से कहा, "मेरी मां मेरे साथ हैं।" उनका यह बयान इस बात का संकेत था कि यह एक पारिवारिक मिलन था, लेकिन यह मुलाकात बृहनमुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों से पहले दोनों भाइयों के संभावित गठबंधन की अटकलों के बीच हुई है।

राज ठाकरे ने पिछले रविवार को भी मातोश्री का दौरा किया था। तब वह शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत के परिवार के एक समारोह में शामिल हुए थे। कभी राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी रहे ये दोनों चचेरे भाई, 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में मिली हार के बाद से सुलह के संकेत दे रहे हैं।

पिछली बार उद्धव ठाकरे अकेले ही राज ठाकरे के शिवतीर्थ निवास पर उनसे मिलने गए थे। लेकिन इस बार राज ठाकरे पूरे परिवार के साथ उद्धव ठाकरे के मातोश्री निवास पहुंचे, जो उनके संबंधों में बढ़ती मजबूती को दशार्ता है। इस बीच, स्थानीय निकाय चुनावों के लिए मनसे और ठाकरे सेना के बीच गठबंधन की चचाएँ तेज हो गई हैं।

कई वर्षों तक अलग रहने के बाद, दोनों भाइयों के बीच अब नजदीकियां बढ़ रही हैं और एक सीधे राजनीतिक गठबंधन की संभावना पर विचार किया जा रहा है। हालांकि, शिवसेना (यूबीटी) और मनसे ने अभी तक बीएमसी चुनावों के लिए किसी गठबंधन की आधिकारिक

घोषणा नहीं की है, लेकिन उनके नेताओं ने ऐसे गठबंधन की पुष्टि की है।

ठाकरे बंधुओं की हालिया मुलाकातें राजनीतिक गलियारों में खूब चर्चा का विषय बनी हुई हैं। 5 जुलाई, 2025 को मराठी भाषा के विजय मेळावा में उद्धव और राज ठाकरे एक ही मंच पर नजर आए थे। इसके बाद, 27 जुलाई, 2025 को मराठी भाषा मेळावे के बाद दोनों के बीच दूरियाँ कम हुईं और राज ठाकरे उद्धव ठाकरे के जन्मदिन पर मातोश्री पहुँचे।

27 अगस्त, 2025 को करीब दो दशकों बाद उद्धव ठाकरे गणेशोत्सव के अवसर पर राज ठाकरे के शिवतीर्थ निवास पर पहुंचे, जिससे राजनीतिक गलियारों में इस मुलाकात की चर्चा और तेज हो गई। 10 सितंबर, 2025 को गणेशोत्सव के मौके पर एक और मुलाकात हुई, लेकिन बात अधूरी रह गई। इसके बाद उसी महीने उद्धव ठाकरे अपने परिवार के साथ शिवतीर्थ निवास पर फिर से गए।

स्थानीय निकाय और पालिका चुनावों में गठबंधन की अटकलों के बीच, 5 अक्टूबर, 2025 को ठाकरे बंधु तीन महीने में पांचवीं बार शिवसेना सांसद संजय राउत के पोते के नामकरण समारोह में परिवार सहित एक साथ देखे गए।

कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का सख्त संदेश: जनहित में लापरवाही नहीं चलेगी, 9 घंटे की बैठक में सुशासन और योजनाओं पर गहन मंथ

छत्तीसगढ़ कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस 2025 का ध्यान शासन और पारदर्शिता के लिए नए मानक स्थापित करने पर था। मुख्यमंत्री विष्णु देव साई ने जनता तक लाभों की समय पर डिलीवरी और सरकारी योजनाओं की कड़ी निगरानी पर जोर दिया।

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में रविवार को मंत्रालय (महानदी भवन) में आयोजित कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस 2025 में सुशासन, पारदर्शिता और जनहित के नए मानक तय किए गए। बैठक की शुरूआत निर्धारित समय से पहले हुई, जिसने पूरे प्रशासन को मुख्यमंत्री की वर्क-डिसिप्लिन और परिणाम केंद्रित कार्यशैली का सीधा संदेश दिया। बैठक में मुख्य सचिव श्री विकास शील, सभी विभागीय सचिव, संभागायुक्त और कलेक्टर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने प्रारंभ से ही स्पष्ट कर दिया कि शासन की नीतियों और योजनाओं का अंतिम लाभ जनता तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुँचना ही सुशासन का वास्तविक अर्थ है — और इस दिशा में किसी भी स्तर पर ढिलाई स्वीकार्य नहीं होगी।

सीएजी रिपोर्ट में खुलासा, पूंजीगत व्यय और निवेश में यूपी शीर्ष पर, राजस्व बचत की स्थिति बरकरार

(जीएनएस)।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (उअऋ) द्वारा प्रकाशित राज्य के वित्त लेखे 2022-2023 के अनुसार, उत्तर प्रदेश वित्तीय अनुशासन और निवेश के मामले में देश के सभी 28 राज्यों में अग्रणी रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में कुल 1,03,237 करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय किया जो देश में सबसे अधिक है। यह राशि राज्य की शुद्ध लोक ऋण प्राप्तियों का 210.68% है, जो यह दशार्ता है कि सरकार ने लिया गया ऋण केवल विकास और पूंजी निर्माण के कार्यों पर खर्च किया है। यह एक आदर्श वित्तीय स्थिति मानी जाती है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने न केवल राजस्व व्यय पर नियंत्रण रखा, बल्कि निवेश और पूंजीगत खर्च में नया इतिहास रचा है। वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता और विकास उन्मुख व्यय ने यूपी को देश का "फाइनेंशियल रोल मॉडल स्टेट" बना दिया है। राजस्व बचत की स्थिति में उत्तर प्रदेश सीएजी रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश की राजस्व प्राप्तियां उसके राजस्व व्यय से अधिक रही हैं, अर्थात राज्य राजस्व बचत की स्थिति में है। राज्य का स्वयं का राजस्व (कर एवं करेतर) राजस्व प्राप्तियों का 45% रहा, जबकि हरियाणा, तेलंगाना, महाराष्ट्र और गुजरात जैसे औद्योगिक राज्यों में यह 70-80% के बीच रहा। प्रदेश ने कुल व्यय का 9.39% निवेश पर खर्च किया, जो महाराष्ट्र (3.81%), गुजरात (3.64%) और बिहार

(1.65%) से कहीं अधिक है। इसके साथ ही, 2013-14 से 2022-23 में केंद्रीय करों में सर्वाधिक राशि उत्तर प्रदेश को ही प्राप्त हुई है।

वेतन-पेंशन-ब्याज में कम व्यय

उत्तर प्रदेश ने प्रतिबद्ध व्यय (वेतन, पेंशन और ब्याज भुगतान) पर कुल राजस्व व्यय का 42.57% खर्च किया, जो हरियाणा (55.27%) और तमिलनाडु (50.97%) से कम है। प्रदेश ने अपने कुल व्यय का 12.43% वेतन पर खर्च किया, जबकि 16 राज्यों ने 20% से अधिक खर्च किया। वहीं, पेंशन पर व्यय कुल व्यय का 12.15% रहा, जो कई राज्यों (जैसे हिमाचल प्रदेश 15%+) से कम है। इसी तरह, ब्याज भुगतान कुल व्यय का 8.90% रहा, जबकि 10 राज्यों ने इस मद में 10% से अधिक खर्च किया। सब्सिडी पर व्यय मात्र 4.40% रहा, जबकि पंजाब ने अपने व्यय का 17% सब्सिडी पर व्यय किया।

वृहद निर्माण और सहायता अनुदान में संतुलित व्यय

राज्य ने वृहद निर्माण कार्यों पर कुल व्यय का 11.89% खर्च किया, जो इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

'आज रात ही एक फतवा जारी कर दें, ताकि कोई लड़की', ममता बनर्जी के बयान पर भड़के दुगार्पुर पीड़िता के पिता

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल के दुगार्पुर में मेडिकल छात्रा के साथ हुए गैंगरेप की घटना ने पूरे देश को हिला कर रख दिया है। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर हिरासत में भेज दिया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस घटना पर चिंता जताने के साथ ही लड़कियों को रात में बाहर न निकलने की सलाह भी दी। इस बयान पर पीड़िता के पिता ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान पर गहरा गुस्सा और निराशा जताई।

पिता ने नाराजगी जताते हुए कहा "ममता बनर्जी ने बहुत अच्छी बात कही है। हम उनसे कहेंगे कि आज रात ही एक फतवा जारी कर दें, ताकि कल सुबह से कोई भी लड़की घर से बाहर न निकल पाए। इससे कोई घटना ही नहीं होगी।"

उन्होंने ममता बनर्जी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यदि वे राज्य में कानून-व्यवस्था को ठीक नहीं कर पा रही हैं, तो ऐसे बयान दे रही हैं, जिससे उल्टा पीड़िता पर ही दोष मढ़ा जा रहा है। पिता ने अपनी बेटी की स्थिति बताते हुए कहा, "मेरी बेटी दर्द में है। वह ठीक से चल भी नहीं पा रही और बिस्तर से उठ भी नहीं सकती। मुझे

उसकी सुरक्षा की चिंता है। वे उसे किसी भी वक्त मार सकते हैं, इसलिए हम उसे ओडिशा ले जाना चाहते हैं।"

पीड़ित छात्रा के पिता, जो ओडिशा के बालासोर जिले के जलेश्वर के रहने वाले हैं, ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अपनी बेटी को ओडिशा वापस लाने की योजना बताई। उन्होंने कहा, "मेरा भरोसा उठ गया है। मुझे यहां उसकी जान का डर है। ओडिशा के मुख्यमंत्री, डीजी, एसपी और कलेक्टर हमारी बहुत मदद कर रहे हैं। मैंने अनुरोध किया है कि हमें उसे घर ले जाने दिया जाए ताकि वह ओडिशा में अपनी पढ़ाई जारी रख सके।"

पिता बोले- बेटी को भुवनेश्वर शिफ्ट किया जाए

उन्होंने कहा "हमारा विश्वास उठ गया है। हम नहीं चाहते कि वह बंगाल में रहे, वह अपनी शिक्षा भी ओडिशा में ही पूरी करेगी।" पीड़िता के पिता ने ओडिशा सरकार से अपील की है कि उनकी बेटी की जान को खतरा है, इसलिए उसे इलाज के लिए बंगाल से भुवनेश्वर शिफ्ट किया जाए। फिलहाल, पीड़िता का इलाज दुगार्पुर के एक अस्पताल में चल रहा है।

डरउह दुगार्पुर टीम भेजकर जांच करवाएगा

ओडिशा राज्य महिला आयोग (OSCW) ने रविवार को कहा कि वह पश्चिम बंगाल के दुगार्पुर में एक टीम भेजेगा। यह टीम 23 वर्षीय उड़िया मेडिकल छात्रा के स्वास्थ्य और सुरक्षा की जांच करेगी, जिसके साथ शुक्रवार शाम को उसके निजी मेडिकल कॉलेज के पास कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार हुआ था। इस घटना से दोनों राज्यों के बीच तीखी राजनीतिक तकरार शुरू हो गई है।

भोपाल में बैंक मित्रों की 'महाक्रांति'- संघ महामंत्री और जिला अध्यक्ष नवरंग पटेल ने किया बड़ा खुलासा

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के अंबेडकर पार्क में आज 'महाक्रांति रैली' के तहत हजारों बैंक मित्रों और आउटसोर्स कर्मचारियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। मध्य प्रदेश बैंक मित्र संघ के नेतृत्व में यह आंदोलन बिचौलियों (कंपनियों) की प्रथा को समाप्त करने, कर्मचारी दर्जा देने और सामाजिक सुरक्षा लाभों की मांग पर केंद्रित रहा।

कटनी जिले के महामंत्री नारायण प्रसाद तिवारी ने वन इंडिया हिंदी संवाददाता एलएन मालवीय को बताया, "कंपनी प्रथा - जो बिजोलिया प्रथा जैसी है - को तुरंत समाप्त किया जाए। इससे ही आर्थिक सुधार होगा, पेंशन, बीमा और सामाजिक सुरक्षा मिलेगी।"

वहीं, उमरिया जिला अध्यक्ष नवरंग पटेल ने कहा, "कई सालों से काम कर रहे, लेकिन कर्मचारी पहचान नहीं मिली। जीवन आधा खत्म हो गया, बीमा नहीं, पेमेंट समय पर नहीं। हमारा 70% पैसा कंपनी को चला जाता है। बैंक सीधे सैलरी क्यों नहीं देती?" यह प्रदर्शन मध्य प्रदेश के 50,000 से अधिक बैंक मित्रों की लंबे समय से चली आ रही पीड़ा का प्रतीक है, जो ग्रामीण बैंकिंग को मजबूत करने वाले इन 'असली हीरोज' को ठेकेदारों का गुलाम बनाने वाली सरकारी नीतियों पर सवाल खड़े कर रहा है।

अगर मांगें न मानी गईं, तो राज्यव्यापी अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी गई।

यह आंदोलन आउटसोर्स कर्मचारियों की 'हल्ला बोल' रैली का हिस्सा है, जिसमें बैंक मित्र, पंचायत चौकीदार, पंप ऑपरेटर और अंशकालीन भृत्य जैसे 2.75 लाख

कर्मचारी शामिल हैं। विपक्ष ने इसे "मोहन यादव सरकार की श्रम-विरोधी नीति" बताते हुए समर्थन का ऐलान किया, जबकि सरकार ने वार्ता का आश्वासन दिया। लेकिन नेताओं का आक्रोश ठंडा पड़ने का नाम नहीं ले रहा - क्या बैंक मित्रों को अब भी सिर्फ ठेकेदारों का गुलाम समझा जाएगा?

सुबह से शाम तक का हंगामा

प्रदर्शन सुबह 9 बजे अंबेडकर पार्क में सभा के साथ शुरू हुआ। कटनी, उमरिया, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर और सागर जैसे जिलों से सैकड़ों बसों में भरकर बैंक मित्र पहुंचे। मध्य प्रदेश बैंक मित्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष रामस्वरूप पटेल ने मंच से कहा, "हम ग्रामीण इलाकों में जन-धन खाते खोलते हैं, पेंशन बांटते हैं, लेकिन वेतन 8-10 हजार रुपये मासिक - जो दिहाड़ी मजदूर से कम है।" नारे गूंजे - "बिचौलियों का अंत करो!", "कर्मचारी दर्जा दो!"।

दोपहर में मार्च निकाला गया, जिसमें महिलाएं और युवा प्रमुख थे। नारायण प्रसाद तिवारी ने कहा, "बिजोलिया प्रथा जैसी कंपनी सिस्टम से हमारा शोषण हो रहा। सरकार इसे समाप्त करे, तभी पेंशन-बीमा जैसे लाभ मिलेंगे।" उमरिया के नवरंग पटेल ने जोड़ा, "हमने जीवन आधा लगा दिया, लेकिन बीमा नहीं, पेमेंट डिले। 70% हमारा पैसा कंपनी को - बैंक सीधे क्यों नहीं देती?" प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा, लेकिन भारी पुलिस बल तैनात था। शाम को पटेल ने चेतावनी दी, "15 दिनों में मांगें न मानीं, तो राज्यव्यापी हड़ताल। बैंकिंग सेवाएं ठप हो जाएंगी।"

बैंक मित्रों की प्रमुख मांगें: शोषण के खिलाफ पुकार

बैंक मित्र ग्रामीण बैंकिंग का चेहरा हैं - वे 20,000 से अधिक गांवों में सेवाएं पहुंचाते हैं। लेकिन ठेकेदार कंपनियों (जैसे CSC-SPV) के जाल में फंसे हैं। नीचे उनकी मुख्य मांगें:

ये मांगें बैंक मित्र संघ की हैं। तिवारी ने कहा, "इनसे ही आर्थिक सुधार होगा।" बैंक मित्र योजना 2014 में शुरू हुई, लेकिन मध्य प्रदेश में ठेकेदारी ने शोषण बढ़ाया। 50,000 से अधिक बैंक मित्र प्रभावित हैं।

हाल की घटनाएं:

अगस्त 2025: इंदौर में वेतन वृद्धि पर धरना।

जून 2025: हाईकोर्ट ने 15,000 न्यूनतम वेतन का आदेश, लेकिन अमल में देरी।

अप्रैल 2025: जबलपुर में एरियर के लिए मार्च; 100 करोड़ अटका।

फरवरी 2025: ग्वालियर में महिलाओं का प्रदर्शन।

अक्टूबर 2025: भोपाल में महाक्रांति रैली।

संगठन का दावा: "सरकार CSC को करोड़ों देती, लेकिन हम चूना लगते।"

कांग्रेस ने समर्थन किया। जीतू पटवारी ने कहा, "बैंक मित्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था की धुरी। ठेकेदारी भ्रष्टाचार बढ़ाती। हम आंदोलन में शामिल।" कमलनाथ ने ट्वीट किया, "शोषण बंद।" BJP ने "व्यक्तिगत मांग" बताया। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा, "बैठक बुलाएंगे।" लेकिन पटेल ने तंज: "मीटिंग तो हर महीने, एक्शन कहां

हार्ट फेल या किडनी डैमेज, सिंगर गुरमीत मान की मौत का क्या राज?

(जीएनएस)।

पंजाबी लोक संगीत के 'पेंडू अखाड़ों के किंग' गुरमीत मान (57) का 10 अक्टूबर 2025 को चंडीगढ़ के परमार अस्पताल में निधन हो गया। हार्ट प्रॉब्लम और किडनी डैमेज से जूझ रहे गुरमीत ने 3-4 साल पहले स्टेंटिंग कराई थी, लेकिन एक हफ्ते पहले बिगड़ी तबीयत ने उन्हें हमेशा के लिए छीन लिया।

उनकी मौत ने पंजाबी इंडस्ट्री को झकझोर दिया, खासकर राजवीर जवंदा और वरिंदर सिंह घुमन के निधन के बाद। लेकिन गुरमीत की विरासत उनके गीतों में जिंदा रहेगी। आइए, जानते हैं उनकी फैमिली - पत्नी कौन, बच्चे क्या करते हैं, और नेट वर्थ का अनुमान...

सिंगर गुरमीत सिंह मान के साथ शो करने वालीं उनकी को-स्टार।

गुरमीत मान की पत्नी का नाम सार्वजनिक रूप से ज्यादा उजागर नहीं हुआ, लेकिन वे पंजाब पुलिस में सब-इंस्पेक्टर (रक) रह चुकी हैं और अब रिटायर्ड हैं। गुरमीत की तरह ही पत्नी

भी पुलिस सेवा में रहीं, और दोनों ने मिलकर परिवार संभाला। गुरमीत ने कभी इंटरव्यू में पत्नी का नाम नहीं लिया, लेकिन दोस्तों के मुताबिक, 'पत्नी ने हमेशा गुरमीत का साथ दिया, चाहे स्टेज हो या पुलिस ड्यूटी।' निधन की खबर पर पत्नी टूट गईं, लेकिन उन्होंने परिवार को संभाला।

गुरमीत मान के दो बच्चे हैं, जो कनाडा में बस चुके हैं और इंडस्ट्री में नाम कमा रहे हैं:-

बेटा गौरव मान : कनाडा में बसा हुआ, म्यूजिक प्रोडक्शन और बिजनेस में सक्रिय। गुरमीत के गीतों को इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर ले जाने में मदद करता।

बेटी गुनबी मान : हिंदी नाटकों और टॉलीवुड में काम। गायन भी करती हैं। गुरमीत की तरह ही संगीत में रुचि।

पंजाब पुलिस से लोक गायक तक

रोपड़ जिले के रहने वाले गुरमीत सिंह मान (जन्म: 1968) ने पंजाब पुलिस में अरकके पद पर सेवा की। ड्यूटी के साथ-साथ लोक गीत गाते रहे। 'सोहरेयां दा पिंड' और 'चंडीगढ़ इन रूम' से फेमस। प्रीत पायल के साथ जोड़ी सुपरहिट।

हिट गाने : 'बोलियां', 'बोली मैं पवन', 'काके दियां पुरियां', 'लव लेटर', 'बादल दे नीले कार्ड वांगूं तेरी फोटो सांभ के रखांगा'।

कैरियर: 1990 के दशक से लोक गीत, कॉमेडी, प्रोडक्शन। पंजाबी संस्कृति को जीवंत रखा।

नेट वर्थ : अनुमानित 28.1 मिलियन डॉलर (कुछ स्रोत 2.74 मिलियन), लेकिन स्पष्ट नहीं। स्टेज शोज, एल्बम्स से कमाई।

हार्ट प्रॉब्लम और किडनी डैमेज

गुरमीत को 3-4 साल पहले स्टेंटिंग हुई। एक हफ्ते पहले तबीयत बिगड़ी। चंडीगढ़ के सेक्टर 32 अस्पताल से रोपड़ के परमार अस्पताल शिफ्ट। किडनी डैमेज से मौत। दोस्त लखवीर सिंह- 'गुरमीत नेक इंसान थे। स्टेज के किंग।'

गुरदासपुर के हरदोवाल गांव में

अंतिम संस्कार गुरदासपुर जिले के पैतृक गांव हरदोवाल में हुआ। गुरमीत मान की मौत ने रोपड़ को अनाथ कर दिया। राजवीर जवंदा और वरिंदर घुमन के बाद तीसरा झटका। उनकी गीतों की विरासत अमर रहेगी।

कोतवाली पुलिस ने दबोचा एक तस्कर : नशीला पाउडर बरामद

मथुरा (जीएनएस)। थाना कोतवाली क्षेत्र स्थित हाईवे किनारे कच्चे रास्ते से पुलिस ने एक मादक पदार्थ तस्कर को दबोच लिया। जानकारी के अनुसार कोतवाली प्रभारी विनोद बाबू मिश्र और एसआई मुश्ताक मेंहदी पुलिस टीम के साथ संदिग्धों की चेकिंग कर रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि हाईवे किनारे कच्चे रास्ते पर पोखर के पास एक मादक पदार्थ तस्कर खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी विनोद बाबू मिश्र और एसआई मुश्ताक मेंहदी पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहे तस्कर विशाल पुत्र अमर सिंह निवासी बड़ी सराय थाना सासनी गेट जिला अलीगढ़ हाल निवासी जनकपुरी बीएसए इंजीनीरिंग कॉलेज रोड़ थाना कोतवाली, मथुरा को घेरकर पकड़ लिया। पुलिस ने पकड़े गए तस्कर की तलाशी ली तो उसके कब्जे से 120 ग्राम नशीला पाउडर एल्प्राजोलम बरामद हुआ। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम पहल, अब साइकिल लेकर जा सकेंगे मुंबई मेट्रो में

(जीएनएस)।

मुंबई मेट्रो ने हाल ही में एक नई और पर्यावरण के अनुकूल पहल की घोषणा की है। पर्यावरण संरक्षण और कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए यात्रियों को बड़ी सुविधा दी गई है। अब यात्री अपनी साइकिल लेकर मेट्रो में यात्रा कर सकते हैं। यह सुविधा शहर में हरित और टिकाऊ परिवहन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई है। मेट्रो अधिकारियों का कहना है कि इस कदम से निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी।

इस पहल के तहत, यात्री अपने साइकिल को निर्धारित स्थानों पर सुरक्षित तरीके से मेट्रो डिब्बों में ले जा सकते हैं। इससे न केवल यात्रियों को यात्रा में अधिक लचीलापन मिलेगा, बल्कि पर्यावरणीय लाभ भी होंगे। कार्बन उत्सर्जन में कमी और ट्रैफिक जाम को कम करने के दृष्टिकोण से यह कदम महत्वपूर्ण साबित होगा।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम कदम

- विशेषज्ञों का मानना है कि मुंबई जैसे बड़े शहर में इस तरह की पहल से लोगों की परिवहन आदतों में सकारात्मक बदलाव आएगा।
- विदेशों में यात्रियों को मेट्रो में साइकिल ले जाने की अनुमति होती है। विशेषज्ञों की राय है कि यह पहल न सिर्फ पर्यावरण के लिए फायदेमंद है, बल्कि यह स्वास्थ्य को भी बढ़ावा देती है।
- लोग कम दूरी की यात्रा साइकिल के माध्यम से कर सकते हैं और लंबी दूरी के लिए मेट्रो का उपयोग कर सकते हैं।

मेट्रो में साइकिल ले जाने के लिए होंगे कुछ नियम

हालांकि, मेट्रो अधिकारियों ने यह स्पष्ट किया है कि साइकिल लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए कुछ नियम और समय सीमाएं लागू होंगी। दूसरे यात्रियों को असुविधा न हो इसका ध्यान रखा जा रहा है। अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की है कि वे इस नई सुविधा का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करें। यह पहल मुंबई मेट्रो को अन्य महानगरों में पर्यावरणीय जागरूकता के उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करती है। इससे यह संदेश जाता है कि सार्वजनिक परिवहन के माध्यम से हरित और टिकाऊ भविष्य की ओर कदम बढ़ाया जा सकता है।

कांग्रेस के बैन लगाने के प्रस्ताव पर भाजपा हुई आगबबूला, दी चेतावनी- 'आरएसएस को छूते हैं तो हम दिखा देंगे क्या हैं'

(जीएनएस)।

कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को एक पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने सरकारी स्कूलों और कॉलेजों के मैदानों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यक्रमों पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया है। इसके अलावा, उन्होंने सार्वजनिक पार्कों और मुजराई (धार्मिक ट्रस्ट द्वारा संचालित) मंदिरों में भी आरएसएस के आयोजनों पर रोक लगाने की अपील की है।

कांग्रेस पार्टी की सरकार के मंत्री प्रियांक खड़गे के इस प्रस्ताव पर भापजा भड़क उठी हे। भाजपा नेताओं ने इस प्रस्ताव की घोर निंदा करते हुए कांग्रेस पर जमकर हमला बोला है। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे द्वारा सीएम सिद्धारमैया को लिखे पत्र पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए जमकर लताड़ लगाई है।

प्रहलाद जोशी ने कहा कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि नेहरू, इंदिरा गांधी और सोनिया गांधी जैसे पूर्व कांग्रेस अध्यक्षों ने भी कोशिश की थी, लेकिन वे अपने कार्यों का बचाव करने में असमर्थ रहे।

RSS गुटबाजी और विभाजन से मुक्त है

जोशी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की प्रशंसा करते हुए कहा, "मेरा मानना है कि आरएसएस पूरी दुनिया में एकमात्र ऐसा संगठन है जो गुटबाजी और विभाजन से मुक्त है। यह इस स्तर तक बढ़ गया है कि कुछ स्थानों पर प्रवेश को प्रतिबंधित करने से बहुत कुछ नहीं बदलेगा।"

पीएम से लेकर सीएम तक आरएसएस के सक्रिय सदस्य हैं

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि अधिकांश राज्यों में मंत्री, विधायक और सांसद इसी विचारधारा के हैं। जोशी ने आगे कहा, "मंत्री से लेकर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री तक, कई

लोग आरएसएस के सक्रिय सदस्य हैं।"

कांग्रेस मुस्लिम लीग के प्रति सहानुभूति रखती है

कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए जोशी ने कहा कि कांग्रेस नेता मुस्लिम लीग के प्रति सहानुभूति रखते हैं और पीएफआई तथा एसएफआई का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा, "वे राष्ट्रवादी ताकतों का विरोध करते हैं क्योंकि कांग्रेस कभी भी राष्ट्रवादी विचारधारा में विश्वास नहीं करती है।"

कांग्रेस के मूर्ख सदस्य आरएसएस के बारे में नहीं जानते

वहीं कर्नाटक के नेता प्रतिपक्ष और बीजेपी विधायक आर. अशोक ने कहा, "मुझे लगता है कि कांग्रेस के मूर्ख सदस्य आरएसएस के बारे में नहीं जानते। नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी तक, सभी ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की। कुछ नहीं हुआ। अब, प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राज्यपाल और हर कोई आरएसएस का सदस्य है। कांग्रेस के लोग कहां हैं? उनके पास कितने विधायक और सांसद हैं? कुछ भी नहीं। वे हर जगह शून्य हैं। मुझे लगता है कि यह बयान केवल मीडिया के उद्देश्य के लिए है। वे कुछ नहीं कर सकते। वे आरएसएस को छू भी नहीं सकते। अगर वे छूते हैं, तो हम उन्हें दिखा देंगे कि आरएसएस क्या है..."

प्रियांक खड़गे ने सरकार को क्या लिखा?

चार अक्टूबर को लिखे इस पत्र में प्रियांक खरगे ने आरोप लगाया कि आरएसएस सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के साथ-साथ सार्वजनिक पार्कों में अपनी शाखाएं चला रहा है। इन शाखाओं में नारे लगाए जाते हैं, और बच्चों व युवाओं के मन में नकारात्मक विचार भरे जाते हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय ने यह पत्र रविवार को मीडिया के साथ साझा किया।

आरएसएस की विचारधारा पर उठाया सवाल?

कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक खड़गे ने कहा कि आरएसएस की विचारधारा भारत की एकता और धर्मनिरपेक्षता के मूल्यों के विपरीत है। उन्होंने अपने पत्र में लिखा, "जब समाज में नफरत फैलाने वाली विभाजनकारी ताकतें सिर उठाती हैं, तो हमारा संविधान, जो ईमानदारी, समानता और एकता के सिद्धांतों पर आधारित है, ऐसी ताकतों को रोकने और देश के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों की रक्षा करने का अधिकार देता है।"

अनुमति के बिना लाठी लेकर आरएसएस आक्रामक प्रदर्शन कर रही

प्रियांक ने यह भी आरोप लगाया कि अनुमति के बिना लाठी लेकर आक्रामक प्रदर्शन किए जा रहे हैं, जो बच्चों और युवाओं पर मानसिक रूप से बुरा असर डालते हैं। मंत्री ने सरकार से कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा, "देश के बच्चों, युवाओं, जनता और पूरे समाज के हित में मैं विनम्र आग्रह करता हूं कि आरएसएस की ओर से किए जाने वाले सभी कार्यक्रमों, चाहे वह शाखा या बैठक के नाम पर हों, पर प्रतिबंध लगाया जाए।"

स्कूलों, पार्कों में आरएसएस के कार्यक्रमों पर बैन लगाने की मांग

खरगे ने आगे कहा कि यह प्रतिबंध सरकारी स्कूलों, सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों, सार्वजनिक खेल के मैदानों, पार्कों, मुजराई विभाग के मंदिरों, पुरातत्व विभाग की देखरेख वाली जगहों और अन्य सभी सरकारी परिसरों पर लागू होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संविधान नागरिकों और राज्य दोनों को यह अधिकार देता है कि वे समाज में विभाजन फैलाने वाली ताकतों के खिलाफ कार्रवाई करें और देश के धर्मनिरपेक्ष व लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करें।

चुनाव आयोग ने ज़ुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव के लिए नामांकन कार्यक्रम की घोषणा की

(जीएनएस)।

भारत के चुनाव आयोग ने हैदराबाद जिले में 61-जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के लिए उपचुनाव का कार्यक्रम जारी कर दिया है। चुनाव आयोग के अनुसार, यह घोषणा सभी पात्र नागरिकों और राजनीतिक हितधारकों को एक सुचारु और पारदर्शी चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण तिथियों और प्रक्रियात्मक दिशानिर्देशों से अवगत कराती है।

अधिसूचना के मुताबिक, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अक्टूबर है। नामांकन पत्रों की जांच 22 अक्टूबर को होगी, जबकि उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि 24 अक्टूबर निर्धारित की गई है। मतदान 11 नवंबर को होगा और मतों की गिनती 14 नवंबर को होगी। पूरी चुनावी प्रक्रिया 16 नवंबर तक समाप्त होने की उम्मीद है।

ळी'ल्लॅल्लं ु८स्रङ्क''

रिटर्निंग ऑफिसर पी साई राम ने उम्मीदवारों के लिए विस्तृत निर्देश दिए हैं। नामांकन फॉर्म (फॉर्म 2बी) शैकपेट के तहसीलदार कार्यालय में जमा किए जाने चाहिए, साथ ही एक नोटरीकृत हलफनामा (फॉर्म 26) भी संलग्न करना होगा। उम्मीदवारों को 2७2.5 सेमी की रंगीन तस्वीर जमा करनी होगी और आवश्यक सुरक्षा जमा राशि का भुगतान करना होगा - सामान्य उम्मीदवारों के लिए ₹10,000 और एससी/एसटी उम्मीदवारों के लिए जाति प्रमाण पत्र के साथ ₹5,000। उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 25 वर्ष होनी चाहिए और जांच की तारीख से पहले शपथ ग्रहण पूरा करना अनिवार्य है।

मान्यता प्राप्त दलों और अन्य उम्मीदवारों के लिए प्रस्तावक संबंधी दिशानिर्देश अलग-अलग हैं। मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय दल, जिनमें अअढ, इरढ, इखढ, उढक(ट), क्ठउ और राष्ट्रवादी पीपुल्स पार्टी शामिल हैं, साथ ही तेलंगाना के राज्य दल जैसे अक्टक्ट, इफ्र, ळठ्ढ और रफ्ळढ के लिए 30 सितंबर तक की मतदाता सूची से एक प्रस्तावक की आवश्यकता होगी।

अन्य उम्मीदवारों के लिए इसी सूची से दस प्रस्तावक चाहिए। यदि उम्मीदवार किसी अन्य निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं, तो उन्हें संबंधित ईआरओ से एक चुनावी उद्धरण जमा करना होगा। फॉर्म ए और बी को नामांकन के अंतिम दिन दोपहर 3:00 बजे तक जमा करना आवश्यक है।

रिटर्निंग ऑफिसर ने स्पष्ट किया कि 19 अक्टूबर (रविवार) और 20 अक्टूबर (दीपावली) जैसे सार्वजनिक अवकाशों पर नामांकन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। इससे पहले 8 अक्टूबर को, जिला निर्वाचन अधिकारी और जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन ने जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव के संबंध में आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सख्त निर्देश जारी किए थे।

नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, कुल 1,620 विरूपण के मामले (जिसमें राजनीतिक दलों के पोस्टर, बैनर और दीवार लेखन शामिल हैं) दर्ज किए गए हैं। इनमें से 1,097 मामले सार्वजनिक संपत्ति पर और 523 निजी संपत्ति पर थे। सभी चिह्नित उल्लंघनों को प्रवर्तन अभियान के तहत तुरंत हटा दिया गया है।

रिलीज के मुताबिक, डीईओ आरवी कर्णन ने एमसीसी से संबंधित सभी शिकायतों पर निरंतर सतर्कता और समय पर कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया है कि 1950 चुनाव हेल्पलाइन और सी-विजिल मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से 24७7 शिकायत निगरानी सुनिश्चित की जाए। त्वरित प्रतिक्रिया और सख्त प्रवर्तन के लिए पूरे निर्वाचन क्षेत्र में समर्पित फ्लाइंग स्क्वाड और स्टैटिक सर्विलांस टीमें तैनात की गई हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने दोहराया कि सार्वजनिक और निजी परिसरों पर किसी भी प्रकार के राजनीतिक प्रचार, अभियान सामग्री या दीवार लेखन को एमसीसी दिशानिर्देशों का पालन करना होगा और केवल चुनाव आयोग से उचित पूर्व अनुमोदन के साथ ही प्रदर्शित किया जा सकता है।

जिला निर्वाचन अधिकारी और एमसीसी नोडल अधिकारी की देखरेख में चुनाव दल एक पारदर्शी उपचुनाव सुनिश्चित करने के लिए अनुपालन के उच्चतम मानकों को बनाए रखने में लगे हुए हैं। इससे पहले 6 अक्टूबर को, भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने घोषणा की थी कि सात राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आठ विधानसभा क्षेत्रों के लिए उपचुनाव 11 नवंबर को होंगे। इन उपचुनावों के लिए मतों की गिनती 14 नवंबर को निर्धारित की गई है। ये उपचुनाव इस्तीफे, मृत्यु या अयोग्यता जैसे विभिन्न कारणों से रिक्त हुई सीटों को भरने के लिए आयोजित किए जा रहे हैं।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

भारत और अफगानिस्तान के बीच राजनयिक संबंधों का खुला रास्ता

भारत और अफ़गानिस्तान के बीच राजनयिक संबंधों की पुनर्स्थापना एक सहयोगात्मक और सुरक्षित भविष्य के लिए हमारे सामूहिक दृष्टिकोण को रेखांकित करती है। बैठक के दौरान, एस जयशंकर ने घोषणा की कि भारत अफ़गानिस्तान की राजधानी काबुल में अपना दूतावास फिर से खोलेगा, जिसे चार साल पहले बंद कर दिया गया था। भारत और अफगानिस्तान के बीच राजनयिक संबंधों की बहाली भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने शुक्रवार, 10 अक्टूबर, 2025 को नई दिल्ली में अफ़गानिस्तान के विदेश मंत्री, मावलवी अमीर खान मुत्ताकी की मेज़बानी की। 2021 के बाद से यह दोनों पक्षों के बीच पहली उच्च-स्तरीय वार्ता थी। चर्चा में अफ़गानिस्तान की आर्थिक बहाली, उग्रवाद और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई, डिजिटल अर्थव्यवस्था और नवाचार, वित्तीय सेवाएँ, स्वास्थ्य सेवा और दवा, कनेक्टिविटी और सुव्यवस्थित पारगमन, व्यापार और ऊर्जा जैसे मुद्दे शामिल थे। तालिबान नेता संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समिति से अस्थायी यात्रा छूट प्राप्त करने के बाद नई दिल्ली पहुँचे, क्योंकि उन पर संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंध लागू हैं, जिनमें यात्रा प्रतिबंध और संपत्ति ज़ब्त करना शामिल है। भारत-अफ़गानिस्तान संबंध सहस्राब्दियों पुराने हैं और ऐतिहासिक व सयतागत क्षेत्रों में समानताएँ रखते हैं। अफ़गानिस्तान के साथ भारत के संबंधों की जड़ें इतिहास में गहरी हैं। इन दोनों क्षेत्रों के बीच व्यापार सिल्क रोड से कम से कम तीन हज़ार साल पहले से है। यह सामरिक, आर्थिक और व्यापारिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। भारत के साथ इसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध, निस्संदेह, स्थायी रुचि के बने रहेंगे। लेकिन साझा हितों को बढ़ावा देने के लिए अफ़गानिस्तान में समकालीन घटनाओं के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता अधिक महत्वपूर्ण है। नई दिल्ली और काबुल के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए अर्थव्यवस्था और नवाचार, स्वास्थ्य सेवा और फार्मा, संपर्व और सुव्यवस्थित पारगमन, प्रमुख क्षेत्र हैं। हमें व्यापार, आर्थिक और निवेश के क्षेत्र में भारत- अफ़गानिस्तान संबंधों को और गहरा करने के लिए एक रोडमैप की आवश्यकता है। अफ़गानिस्तान की आर्थिक सुधार और विकास परियोजनाओं में भारत की भूमिका, विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा, सार्वजनिक अवसंरचना और क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में, एक महत्वपूर्ण कारक है। अफ़गानिस्तान के साथ भारत के चल रहे स्वास्थ्य सेवा सहयोग के हिस्से के रूप में, कई परियोजनाएँ शुरू की जा रही हैं, जिनमें एक थैलेसीमिया वेंद्र, एक आधुनिक निदान वेंद्र की स्थापना और काबुल स्थित इंदिरा गांधी बाल स्वास्थ्य संस्थान में हीटिग सिस्टम को बदलना शामिल है। इसके अतिरिक्त, भारत काबुल के बगरामी ज़िले में 30 बिस्तरों वाला एक अस्पताल, काबुल में एक ऑन्कोलॉजी वेंद्र और एक ट्रॉमा सेंटर, और पत्तिका, खोस्त और पंत्तिया प्रांतों में पाँच प्रसूति स्वास्थ्य क्लिनिक का निर्माण करेगा। अफ़गान नागरिकों को लगभग 75 वृत्रिम अंग सफलतापूर्वक लगाए गए हैं, जिसकी अफ़गान सरकार और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय दोनों ने व्यापक रूप से सराहना की है। एक विशेष सद्भावना के रूप में, भारत अफ़गान लोगों को बीस एम्बुलेंस उपहार में देगा। विदेश मंत्री के साथ अपनी बैठक के बाद विदेश मंत्री ने प्रतीकात्मक रूप से इन एम्बुलेंसों को सौंपा। क्षमता निर्माण के क्षेत्र में, भारत ई-आईसीसीआर छात्रवृत्ति योजना के तहत अफ़गान छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करता रहा है। आईसीसीआर और अन्य छात्रवृत्ति कार्यों में के तहत अफ़गान छात्रों के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों में अध्ययन के अन्य अवसरों पर सयि रूप से विचार किया जा रहा है। अफ़गानिस्तान की धारणा में, भारत एक स्वागतयोग्य और सौम्य पड़ोसी है। काबुल बाज़ार अर्थशास्त्र में भारत के विकासात्मक अनुभव से भी सीखना चाहता है। भारत, क्षेत्रीय स्थिरता, अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद और धरमिक उग्रवाद के मुद्दों के समाधान के लिए अफ़गानिस्तान के साथ मिलकर काम कर रहा है। भारतीय और अफ़गान उद्यमियों को नए रास्तों और बाज़ारों पर पेशेवर और समय पर शोध सलाह प्रदान करने की सख़्त ज़रूरत है। भारत और अफ़गानिस्तान के बीच आर्थिक संबंधों को मज़बूत करने के लिए एक समन्वित दृष्टिकोण वांछनीय और अपरिहार्य है। हमें परिवहन पहुँच के मुद्दे के कल्पनाशील और दूरदशा समाधानों के लिए मिलकर काम करना होगा। ईरान के माध्यम से भारत और अफ़गानिस्तान को जोड़ने की पहल महत्वपूर्ण और उपयोगी कदम हैं। चाबहार बंदरगाह के माध्यम से समुद्री और सड़क मार्ग भारत से अफ़गानिस्तान की दूरी कम कर देगा। साथ ही, भौगोलिक दुर्गमता की समस्या से निपटने के लिए डिजिटल हाईवे एक बेहतर विकल्प है। हम 22 अप्रैल, 2025 को वेंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निदा करने के लिए अफ़गानिस्तान की वर्तमान सरकार के आभारी हैं। कल हुई बैठक में इस बात को दोहराया गया। किसी भी राज्य को विदेश नीति के साधन के रूप में आतंकवाद का उपयोग करने की कोई गुंजाइश नहीं है। वेंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में हाल ही में हुए बर्बर हमले निदनीय हैं। हम भारत और अफ़गानिस्तान के बीच संबंधों को मज़बूत करने के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं - एक ऐसी साझेदारी जो इतिहास, संस्वृति और पारस्परिक प्रगति पर आधारित है। दोनों पक्षों ने भारत-अफ़गानिस्तान हवाई माल ढुलाई गलियारे की शुरूआत का स्वागत किया, जिससे दोनों देशों के बीच प्रत्यक्ष व्यापार और वाणिज्य को और बढ़ावा मिलेगा। इस नए गलियारे से कनेक्टिविटी सुगम होने और द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। अफ़गान पक्ष ने भारतीय वंपनियों को खनन क्षेत्र में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया, जिससे द्विपक्षीय व्यापार और वाणिज्यिक संबंधों को मज़बूत करने में मदद मिलेगी। हेरात में भारत- अफ़गानिस्तान मैत्री बांध (सलमा बांध) के निर्माण और रखरखाव में भारत की सहायता की सराहना करते हुए, दोनों पक्षों ने सतत जल प्रबंधन के महत्व पर भी ज़ोर दिया और अफ़गानिस्तान की ऊर्जा ज़रूरतों को पूरा करने और उसके वृषि विकास को सहयोग देने के उद्देश्य से जलविद्युत परियोजनाओं पर सहयोग करने पर सहमति व्यत्त की। भारत और अफ़गानिस्तान के बीच राजनयिक संबंधों की पुनर्स्थापना एक सहयोगात्मक और सुरक्षित भविष्य के लिए हमारे सामूहिक दृष्टिकोण को रेखांकित करती है। बैठक के दौरान, एस जयशंकर ने घोषणा की कि भारत अफ़गानिस्तान की राजधानी काबुल में अपना दूतावास फिर से खोलेगा, जिसे चार साल पहले बंद कर दिया गया था। यह एक महत्वपूर्ण कदम है जो तालिबान शासित देश के राजनयिक संबंधों का विस्तार करता है। 2021 में अमेरिकी नेतृत्व वाली नाटो सेनाओं की वापसी के बाद तालिबान द्वारा सत्ता हथियाने के बाद भारत ने काबुल में अपना दूतावास बंद कर दिया था, लेकिन एक साल बाद व्यापार, चिकित्सा सहायता और मानवीय सहायता के लिए एक छोटा मिशन खोला। तालिबान के विदेश मंत्री मुत्ताकी ने अपने भारतीय समकक्ष को आश्वासन दिया है कि अफ़गानिस्तान किसी भी समूह को किसी अन्य देश के खिलाफ अपने क्षेत्र का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं देगा। मुत्ताकी ने बैठक के दौरान कहा, अफ़गानिस्तान में हाल ही में आए भूवंप में, भारत सबसे पहले प्रतिव्रिया देने वाला देश था।

अफ़गानिस्तान भारत को एक घनिष्ठ मित्र के रूप में देखता है।

हम आपसी सम्मान, व्यापार और लोगों के बीच संबंधों पर आधारित संबंध चाहते हैं। हम अपने संबंधों को मज़बूत करने के लिए एक परामर्श तंत्र बनाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे दिल्ली आकर खुशी हो रही है और इस यात्रा से दोनों देशों के बीच समझ बढ़ेगी। भारत और अफ़गानिस्तान को अपने संपर्व और आदानप-दान बढ़ाने चाहिए.. हम किसी भी समूह को अपने क्षेत्र का इस्तेमाल दूसरों के खिलाफ नहीं करने देंगे।

प्रसिद्ध जैन तीर्थ क्षेत्र महुड़ी जाना हुआ और भी आसान

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने पिलवाई-महुड़ी फोरलेन रोड का किया लोकार्पण

20 करोड़ रुपए के खर्च से साढ़े चार किमी लंबी सड़क को सीमेंट-कंक्रीट फोरलेन में तब्दील किया

दिवाली-काली चौदस के त्योहारों में महुड़ी दर्शनार्थ आने वाले यात्रियों के लिए आवागमन सुगम होगा

मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य के सड़क नेटवर्क को और भी मजबूत बनाने के लिए सीमेंट-कंक्रीट रोड निर्माण का सड़क एवं भवन विभाग का दृष्टिकोण

गांधीनगर, 12 अक्टूबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को प्रसिद्ध जैन तीर्थ क्षेत्र महुड़ी को पिलवाई से जोड़ने वाली 4.45 किलोमीटर लंबी फोरलेन सीमेंट-कंक्रीट सड़क का लोकार्पण किया। इस सड़क के निर्माण में 20 करोड़ रुपए की लागत आई है।

इस रोड के फोरलेन बनने से महुड़ी तीर्थ क्षेत्र के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर यातायात सुविधाएं मिलेगी, साथ ही समय और ईंधन की बचत भी होगी।

इतना ही नहीं, अहमदाबाद-गांधीनगर से विजापुर को जोड़ने वाली इस मुख्य सड़क के चौड़ीकरण के कारण ट्रैफिक जाम की समस्या से भी निजात मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल द्वारा सड़क एवं भवन विभाग को राज्य में सड़क नेटवर्क को मजबूत और टिकाऊ बनाने के लिए दिए गए दिशा-निर्देश और मार्गदर्शन के तहत विभाग ने सीमेंट-कंक्रीट की सड़कों के निर्माण के जरिए मानसून में बरसाती पानी के चलते सड़कों को होने वाले नुकसान को रोकने का दृष्टिकोण अपनाया है।

तदनुसार, इस महुड़ी-पिलवाई रोड को भी सीमेंट-कंक्रीट से मजबूत और गुणवत्तायुक्त बनाया गया है।

सड़क को फोरलेन में तब्दील करने का यह काम 10 महीने में पूरा हुआ है और मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल द्वारा दिवाली के त्योहारों से पहले इसका लोकार्पण करने से आगामी काली चौदस के अवसर पर विशाल संख्या में महुड़ी मंदिर के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए आवागमन सुगम होगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, समर्पण और सुशासन के 24 वर्ष पूरे होने और 25वें वर्ष में प्रवेश के अवसर पर 7 से 15 अक्टूबर के दौरान राज्यव्यापी विकास सप्ताह मनाया जा रहा है। इस विकास सप्ताह में पूरे राज्य में अनेक विकास कार्यों के लोकार्पण हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इस विकास सप्ताह के अंतर्गत महुड़ी-पिलवाई सड़क के चौड़ीकरण कार्य का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर माणसा के विधायक श्री जे.एस. पटेल सहित कई पदाधिकारी, अग्रणी और गांव के नागरिक उपस्थित रहे।

ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड ने जन्मदिन पर रचा इतिहास, बना दिया अनोखा रिकॉर्ड, राशिद खान के साथ जुड़ा नाम!

ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड ने विशाखापत्तनम में भारत के खिलाफ इतिहास रचने का काम किया। महिला वनडे वर्ल्ड कप के मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए एनाबेल सदरलैंड ने एक अनोखा वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। अपने 24वें जन्मदिन के मौके पर सदरलैंड वनडे क्रिकेट में पांच विकेट लेने वाली पहली महिला क्रिकेटर बन गई हैं।

सदरलैंड ने अपने करियर का यह पहला फाइव-विकेट हॉल (5/40) हासिल किया और यह उनकी जिंदगी के एक खास दिन पर आया। पुरुष क्रिकेट में यह कारनामा सिर्फ अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान ने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ किया था। सदरलैंड ने 9.5 ओवर में केवल 40 रन देकर 5 विकेट लिए और अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने अपने 50 वनडे विकेट भी पूरे किए।

भारतीय पारी को 330 पर ही रोका

मैच में एक समय भारतीय टीम बेहद मजबूत स्थिति में थी। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (80 रन) और प्रतिका रावल (75 रन) ने पहले विकेट के लिए 155 रनों की बड़ी साझेदारी करके भारत के लिए एक विशाल स्कोर की नींव रखी। एक समय भारत का स्कोर 36.2 ओवर में 234/2 था। लेकिन, सदरलैंड ने सोफी मोलिनेक्स (3/75) के साथ मिलकर भारतीय मध्यक्रम को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया।

दोनों ने लगातार विकेट झटके और भारत को 234/2 से 330 रन पर ऑल आउट कर दिया। कप्तान हरमनप्रीत कौर (22), जेमिमा रोड्रिग्स (33) और ऋचा घोष (32) जैसी बल्लेबाजों ने अच्छी शुरूआत की, लेकिन उसे बड़ी पारी में नहीं बदल पाईं, जिसका पूरा श्रेय सदरलैंड की घातक गेंदबाजी को जाता है। वर्ल्ड कप जैसे बड़े मंच पर अपने जन्मदिन के दिन फाइव-फेर लेना किसी भी खिलाड़ी के लिए सपने जैसा होता है। सदरलैंड अब महिला वर्ल्ड कप में पांच विकेट लेने वाली तीसरी ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज बन गई हैं।

12वीं पास रवि किशन 500 रु. लेकर मुंबई पहुंचे, आज इतनी संपत्ति के मालिक, कितने बच्चे?

(जीएनएस)।

भोजपुरी सुपरस्टार और गोरखपुर से इखढ सांसद रवि किशन शुक्ला (55) ने 11 अक्टूबर 2025 को 70वें फिल्मफेयर अवाड्र्स में 'लापता लेडीज' के लिए बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का अवार्ड जीता। गुजरात के कंकरिया झील पर एडअ एरिना में भावुक रवि ने कहा, 'महादेव की कृपा, पत्नी, बच्चों और दर्शकों के प्यार से ये सम्मान मिला।

इसे गोरखपुर और देश को समर्पित करता हूं।' मां के दिए 500 रुपये लेकर मुंबई आए रवि आज 43.3 करोड़ की संपत्ति के मालिक हैं। आइए, जानते हैं उनकी सक्सेस स्टोरी, नेट वर्थ और फिल्मी सफर...

मां के 500 रुपये से मुंबई तक: रवि किशन की कहानी

12वीं पास रवि किशन शुक्ला का जन्म 17 जुलाई 1969 को यूपी के जौनपुर जिले में हुआ। पिता श्याम नारायण किसान और मां जदावती देवी गृहणी। मां ने 500 रुपये देकर मुंबई भेजा।

संघर्ष: 1992 में 'पीतांबर' से डेब्यू, 5,000 रुपये मिले। छोटे रोल, भोजपुरी सिनेमा में ब्रेक।

राजनीति: 2019 से गोरखपुर सांसद। 'सांसद रत्न पुरस्कार' 2024। संसद में GST, समोसा प्रकरण पर चर्चा।

एडीआर के मुताबिक, रवि किशन की नेट वर्थ 43.3 करोड़ रुपये।

-आय स्रोत: अभिनय: प्रति फिल्म 50 लाख। भोजपुरी, बॉलीवुड, तेलुगु फिल्में।

सांसद वेतन: 1 लाख/महीना।

ब्रांड्स: विज्ञापन, इवेंट्स।

रियल एस्टेट: 11 प्रॉपर्टी - मुंबई (जोगेश्वरी बंगला, अंधेरी-गोरेगांव फ्लैट्स), पुणे (स्काई विमान अपार्टमेंट), गोरखपुर, जौनपुर।

लक्जरी कारें: मर्सिडीज-बेंज, इटह सीरीज, जगुआर ऋ-पेस, टोयोटा फॉर्च्यूनर, इनोवा, हार्ले-डेविडसन स्ट्रीट बॉब। 33 साल बाद फिल्मफेयर

- डेब्यू: 'पीतांबर' (1992) - मिथुन चक्रवर्ती के साथ।

- हिट्स:

- तेरे नाम (2003): सलमान खान के साथ रामेश्वर का रोल।

- फिर हेरा फेरी (2006): छोटे की कॉमिक भूमिका।

- वेलकम टू सज्जनपुर (2008): श्याम बेनेगल की फिल्म में कंपाउंडर।

- तनु वेड्स मनु (2011): कनपुरिया स्टाइल में जिमी शेरगिल का दोस्त।

- रेस गुर्रम (2014): तेलुगु

में भ्रष्ट नेता।

- सनकी दरोगा (2018): भोजपुरी में निडर पुलिसवाला।

- लापता लेडीज (2023): श्याम मनोहर के रोल में फिल्मफेयर।

- पोस्ट: '33 साल बाद फिल्मफेयर! महादेव, पत्नी, दर्शकों का आशीर्वाद।'

रवि किशन के परिवार में कौन-कौन?

पत्नी: प्रीति शुक्ला। रवि ने अवार्ड पत्नी को समर्पित किया।

रीवा (एक्ट्रेस), तनिष्क, रीविका, शेनोवा।

500 से 43 करोड़ तक

मां के 500 रुपये से शुरू कर रवि किशन ने 43 करोड़ की संपत्ति बनाई। 'लापता लेडीज' के लिए फिल्मफेयर और सांसद रत्न पुरस्कार उनकी मेहनत का सबूत। पर: 'रवि भैया गोरखपुर का गौरव!' आपकी राय? कमेंट्स में....

भोपाल में बैंक मित्रों का प्रदर्शन: बिचौलियों का अंत, कर्मचारी दर्जा की मांगझ अंबेडकर पार्क में हजारों की भीड़

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के अंबेडकर पार्क में आज बैंक मित्रों और आउटसोर्स कर्मचारियों का जोरदार प्रदर्शन हुआ। मध्य प्रदेश बैंक मित्र संघ के बैनर तले हजारों की संख्या में बैंक मित्रों ने अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतरकर सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया। मुख्य मांग - कर्मचारी का दर्जा, बिचौलियों (कंपनियों) का खात्मा और समान वेतन।

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि "सरकार कंपनियों को मोटी रकम देती है, लेकिन हमें मिलती है सिर्फ मजदूरी जैसी तनख्वाह।" बैंकिंग सिस्टम की रीढ़ बताते हुए उन्होंने कहा, "हमारा शोषण कब तक चलेगा?" अगर मांगें न मानी गईं, तो राज्यभर में आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी गई।

यह प्रदर्शन मध्य प्रदेश के 50 हजार से अधिक बैंक मित्रों की लंबे समय से चली आ रही पीड़ा का प्रतीक है, जो ग्रामीण बैंकिंग को मजबूत करने वाले इन 'असली हीरोज' को ठेकेदारों का गुलाम बनाने वाली सरकारी नीतियों पर सवाल खड़े कर रहा है।

यह आंदोलन हाल ही में आउटसोर्स कर्मचारियों के प्रदर्शन का विस्तार है, जहां स्वास्थ्य, शिक्षा और पंचायत क्षेत्र के बाद अब बैंकिंग सेक्टर के कर्मचारी भी मैदान में हैं। विपक्ष ने इसे "मोहन यादव सरकार की श्रम-विरोधी नीति" बताते हुए समर्थन का ऐलान किया, जबकि सरकार ने "वार्ता का आश्वासन" दिया। लेकिन प्रदर्शनकारियों का आक्रोश ठंडा पड़ने का नाम नहीं ले रहा - क्या बैंक मित्रों को अब भी सिर्फ ठेकेदारों का गुलाम समझा जाएगा?

सुबह से शाम तक का हंगामा

प्रदर्शन सुबह 9 बजे अंबेडकर पार्क में सभा के साथ शुरू हुआ। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, सागर और रतलाम जैसे जिलों से सैकड़ों वाहनों में भरकर बैंक मित्र पहुंचे। बैंक मित्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष रामस्वरूप पटेल ने मंच से कहा, "हम ग्रामीण इलाकों में जन-धन खाते खोलते हैं, पेंशन बांटते हैं, लेकिन वेतन 8-10 हजार रुपये मासिक - जो एक दिहाड़ी मजदूर से कम है।" नारे गूंजे - "बिचौलियों का अंत करो!", "कर्मचारी दर्जा दो!"।

दोपहर में मार्च निकाला गया,

जिसमें महिलाएं और युवा बैंक मित्र प्रमुख थे। एक बैंक मित्र मीना बाई ने बताया, "हम सुबह 6 बजे से शाम 8 बजे तक गांव-गांव घूमते हैं, लेकिन कंपनियां 50% कटौती कर लेती हैं। सरकार उरउ (कॉमन सर्विस सेंटर) को करोड़ों देती है, लेकिन हमारा हिस्सा मजदूरी।" प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा, लेकिन भारी पुलिस बल तैनात था। शाम को पटेल ने चेतावनी दी, "15 दिनों में मांगें न मानीं, तो राज्यव्यापी हड़ताल। बैंकिंग सेवाएं ठप हो जाएंगी।"

बैंक मित्रों की प्रमुख मांगें: शोषण के खिलाफ पुकार

बैंक मित्र मध्य प्रदेश में ग्रामीण बैंकिंग का चेहरा हैं - वे 20,000 से अधिक गांवों में बैंकिंग सेवाएं पहुंचाते हैं। लेकिन ठेकेदार कंपनियों के जाल में फंसे हैं। नीचे उनकी मुख्य मांगें:

क्रमांक,मांग,विवरण

1,कर्मचारी दर्जा,बैंक मित्रों को सरकारी कर्मचारी का दर्जा; संविलियन और पेंशन।

2,बिचौलियों का खात्मा,कंपनियों/उरउ को हटाकर सीधा सरकारी भुगतान; 50% कटौती बंद।

3,समान वेतन व सुविधाएं,"न्यूनतम 25,000 रुपये मासिक वेतन, DA, PF, ग्रेच्युटी; रेगुलर कर्मचारियों जैसा।"

4,एरियर भुगतान,6-12 महीने का अटका वेतन; हाईकोर्ट आदेशों का पालन।

5,नौकरी सुरक्षा,छंटनी रोक; ट्रेनिंग और प्रमोशन।

6,श्रम कानून पालन,"ओवरटाइम, बीमा, मातृत्व अवकाश; केंद्र के PMJDY नियमों का अनुपालन।"

ये मांगें बैंक मित्र संघ और ऑल इंडिया बैंक मित्र एसोसिएशन की हैं। पटेल ने कहा, "हम बैंकिंग की रीढ़ हैं, लेकिन शोषण का शिकार।"

बैंक मित्रों का लंबा संघर्ष

बैंक मित्र योजना 2014 में शुरू हुई, जब RBI और केंद्र सरकार ने ग्रामीण बैंकिंग के लिए स्थानीय एजेंट नियुक्त किए। मध्य प्रदेश में 50,000 से अधिक बैंक मित्र हैं, जो जन-धन, PMJJBY और अद जैसी योजनाओं को अमल देते हैं। लेकिन ठेकेदार कंपनियां (जैसे CSC-SPV) वेतन का बड़ा हिस्सा काट लेती हैं।

हाल की घटनाएं:

अगस्त 2025: इंदौर में 500 बैंक मित्रों ने वेतन वृद्धि पर धरना।

जून 2025: हाईकोर्ट ने न्यूनतम वेतन 15,000 रुपये का आदेश दिया, लेकिन अमल में देरी।

अप्रैल 2025: जबलपुर में एरियर भुगतान के लिए मार्च; 100 करोड़ अटका।

फरवरी 2025: ग्वालियर में महिलाओं ने बिचौलियों के खिलाफ प्रदर्शन। 2024: केंद्र ने 12,000 रुपये न्यूनतम वेतन तय किया, लेकिन MP में केवल 8,000 औसत।

संगठन का दावा: "सरकार CSC को 1,000 करोड़ देती है, लेकिन बैंक मित्रों को चूना लगता है।" RBI की 2024 रिपोर्ट में भी ग्रामीण एजेंटों के शोषण का जिक्र है।

दिल्ली चोरों का आतंक! जैन मंदिर से 40 लाख का सोने का कलश चोरी, कैसे लगाई सेंध?

(जीएनएस)।

करवा चौथ (10 अक्टूबर 2025) की रात दिल्ली के उत्तर-पूर्वी ज्योति नगर इलाके के एक जैन मंदिर में चोरों ने सेंध लगा दी। मंदिर के शिखर से लगभग 40 लाख रुपये का सोने का कलश चोरी हो गया। चोरी का पूरा माजरा मंदिर के उउळश में कैद हो गया, और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है।

पुलिस ने चोर की तलाश तेज कर दी है। ये घटना 3 सितंबर को लाल किले के पास जैन जुलूस से चोरी हुए 1.5 करोड़ के आभूषणों के महज एक महीने बाद हुई है। आइए, जानते हैं घटना का पूरा विवरण...

चोरी कैसे हुई? करवा चौथ की रात चोर का डर

घटना शुक्रवार-शनिवार (10-11 अक्टूबर) की दरमियानी रात को हुई, जब इलाके के ज्यादातर लोग करवा चौथ के उत्सव में व्यस्त थे। मंदिर के एक कर्मचारी ने शनिवार सुबह शिखर पर कलश गायब देखा। ज्योति नगर पुलिस स्टेशन में मंदिर समिति के अध्यक्ष नीरज जैन (58) ने FIR दर्ज कराई।

चोर का तरीका: उउळश फुटेज में दिखा कि चोर रात 11:45 बजे मंदिर के बाहर घूम रहा था। फिर इलेक्ट्रिक वायरों का सहारा लेकर छत पर चढ़ा, शिखर तक पहुंचा और कलश उतार लिया। अंधेरे का फायदा उठाकर भागा। एक वीडियो में चोर खंभे से उतरता दिखा, दूसरे में कलश ले जाते हुए।

कलश का विवरण: अष्टधातु (आठ धातुओं का मिश्रण) से बना कलश, जिसमें 200 ग्राम सोना जड़ा। वजन 25-30 किलो, कीमत 35-40 लाख। कई साल पहले शिखर पर

स्थापित।

पुलिस की कार्रवाई: टीमें गठित, उउळश से ट्रैकिंग

ज्योति नगर पुलिस ने ऋक्षक दर्ज कर 3 टीमें गठित कीं। DCP (नॉर्थ ईस्ट) ने कहा, 'चोर की पहचान उउळश से हो रही। आसपास के कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही। तकनीकी निगरानी से लोकेशन ट्रैक हो रही। जल्द गिरफ्तार करेंगे।'

सुरक्षा चूक: मंदिर बंद था, लेकिन CCTV चोरी कैद कर लिया। पुलिस ने मंदिर प्रबंधन को सुरक्षा टिप्स दिए।

समुदाय का गुस्सा: जैन समाज में आक्रोश। उपाध्यक्ष प्रियांक जैन: 'हम आहत हैं। मंदिर सुरक्षित रहें। रलड ने आश्वासन दिया।' पूर्व अध्यक्ष राजेश जैन: 'DCP, ACP, SHO निगरानी

3 सितंबर को लाल किले के पास जैन जुलूस में 1.5 करोड़ के आभूषण चोरी हुए। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के उद्घाटन में 'झारी', 'गुड़' और 'बरियाल' गायब। 760 ग्राम सोना, हीरे-जवाहरात। चोर जैन पुजारी बनकर घुसा। पुलिस ने लीड मिली, लेकिन आरोपी फरार। जैन समुदाय ने सुरक्षा बढ़ाने की मांग की।

जैन आस्था पर सेंध, पुलिस अलर्ट

दिल्ली के जैन मंदिरों में चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं। ज्योति नगर केस में उउळश से चोर की पहचान जल्द। जैन समाज ने मंदिर सुरक्षा पर चिंता जताई। क्या होगा अगला कदम? अपडेट्स के लिए बने रहें। आपकी राय? कमेंट्स में...

50 साल के इतिहास में बीएसएफ के एयर विंग को मिली पहली महिला फ्लाइट इंजीनियर

(जीएनएस)।

सीमा सुरक्षा बल (BSF) के एयर विंग को अपने 50 साल से अधिक के इतिहास में पहली महिला फ्लाइट इंजीनियर मिल गई है। यह उपलब्धि एक आंतरिक प्रशिक्षण कैप्सूल के सफल समापन के बाद हासिल हुई है। इंस्पेक्टर भावना चौधरी और चार पुरुष अधीनस्थ अधिकारियों को हाल ही में इरत्रृ महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी द्वारा उनके फ्लाइंग बैज प्रदान किए गए।

1969 से, सीमा बल को गृह मंत्रालय (MHA) की विमानन इकाई का संचालन करने का कार्य सौंपा गया है। यह इकाई सभी अर्धसैनिक बलों और NSG, NDRF जैसी विशेष बलों की परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करती है। BSF एयर विंग ने सफलतापूर्वक फ्लाइट इंजीनियरों का आंतरिक प्रशिक्षण आयोजित किया।

नई दिल्ली में आयोजित समापन समारोह के दौरान, पांच प्रशिक्षु फ्लाइट इंजीनियरों, जिनमें एक महिला अधीनस्थ अधिकारी भी शामिल थीं, को महानिदेशक इरत्रृ द्वारा फ्लाइंग ब्रेवेट से सम्मानित किया गया। इरत्रृने 10 अक्टूबर, 2025 को ट्वीट कर इस उपलब्धि की जानकारी दी।

अधिकारियों ने PTI को बताया कि

पांच अधीनस्थ अधिकारियों को "BSF एयर विंग के प्रशिक्षकों द्वारा शुरूआती प्रशिक्षण दिया गया था, और उन्होंने हाल ही में अपना दो महीने का प्रशिक्षण पूरा किया।" इन पांचों कर्मियों को अगस्त से शुरू हुए दो महीने के आंतरिक प्रशिक्षण के दौरान 130 घंटे का कौशल प्रशिक्षण दिया गया।

इस दौरान उन्हें वास्तविक कार्य अनुभव भी मिला, क्योंकि इरत्रृ एयर विंग के विभिन्न विमानों ने पंजाब और अन्य राज्यों में हाल की बाढ़ सहित कई परिचालन उड़ानें भरीं। एक अधिकारी ने बताया, "BSF एयर विंग को अपने Mi-17 हेलीकॉप्टर बेड़े में फ्लाइट इंजीनियरों की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा था।"

भारतीय वायु सेना (IAF) ने तीन अधीनस्थ अधिकारियों के पहले बैच को प्रशिक्षित किया था, लेकिन विभिन्न बाधाओं के कारण पांच कर्मियों के दूसरे बैच को वहां प्रशिक्षण स्लॉट नहीं मिल पाया। इसके बाद BSF ने MHA से संपर्क किया, ताकि उसे अपने एयर विंग के लिए फ्लाइट इंजीनियरों को तैयार करने के लिए आंतरिक प्रशिक्षण आयोजित करने की अनुमति मिल सके।

अधिकारी ने बताया कि इंस्पेक्टर चौधरी सहित पांच कर्मियों ने हाल ही में अपना प्रशिक्षण पूरा कर लिया है। इंस्पेक्टर चौधरी BSF एयर विंग की पहली महिला फ्लाइट इंजीनियर हैं। यह इकाई Mi 17 1V, Mi 17 V5, चीता और ALH ध्रुव जैसे हेलीकॉप्टरों के अलावा VIP ड्यूटी के लिए एक फिक्स्ड विंग एम्ब्रेयर जेट का भी संचालन करती है।

लगभग 3 लाख कर्मियों वाली इरत्रृका गठन दिसंबर, 1965 में हुआ था। इसका मुख्य कार्य पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ भारतीय सीमाओं की रक्षा करना है, इसके अलावा यह देश की आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के कर्तव्य भी निभाती है।

मानवता की थाली से बंटा प्रेम -बृज की रसोई में जरूरतमंदों के बीच पहुँचा स्नेह

सामाजिक समरसता का संदेश लेकर निकला मानवता का कारवां : दीपक भुटियानी

आशियाना, लखनऊ (उ.प्र.), 12 अक्टूबर 2025। प्रेरणास्रोत बाबा नीम करौली जी की कृपा और इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी (पंजी.) के सहयोग से रविवार को बृज की रसोई के अंतर्गत निःशुल्क भोजन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

संस्था के सदस्य संजय श्रीवास्तव ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य अकिंचन, निराश्रित, असहाय बच्चों और बुजुर्गों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना तथा उन्हें समाज के स्नेह और अपनत्व का एहसास कराना है।

विकास पाण्डेय ने अवगत कराया कि सेवा कार्य प्रारंभ होने से पूर्व सभी स्वयंसेवक साईं मंदिर, सेक्टरझ्जे (आशियाना) पर एकत्र हुए, जहाँ से सेवा स्थल के लिए प्रस्थान किया गया।

वहीं दीपक भुटियानी ने बताया कि मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है का संदेश लेकर भोजन वितरण कार्य सेक्टरझ्एम रिक्शा कॉलोनी, रतन खंड पार्क, डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के निकट झुग्गी-झोपड़ियाँ, निमार्णाधीन भवनों में कार्यरत श्रमिकों के अस्थायी निवास, नगर निगम जोन-8 की मलिन बस्तियाँ तथा रतनखंड पानी टंकी सहित अनेक क्षेत्रों में सम्पन्न हुआ।

संस्था के संस्थापक विपिन शर्मा ने बताया कि बृज की रसोई का यह अभियान निरंतर संचालित है और समाज के सभी वर्गों से सहयोग प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि भूखे को अन्न और असहाय को सम्मान देना ही सच्ची पूजा है, हमारा प्रयास है कि कोई भी पेट भूखा न रहे।

इस अवसर पर रामकथा आयोजक समिति सेक्टर आई से आदित्य शुक्ला एवं उनके सहयोगियों ने भी उत्साहपूर्वक भोजन वितरण में भागीदारी निभाई।

कार्यक्रम में स्थानीय निवासियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, महिलाओं तथा युवाओं ने भी सेवाभाव से सक्रिय सहयोग किया। बच्चों के चेहरों की मुस्कान और बुजुर्गों की दुआओं ने इस आयोजन को भावनात्मक बना दिया, जिसने समाज सेवा की एक सजीव मिसाल प्रस्तुत की।

पीयूष श्रीवास्तव ने बातचीत में कहा कि कार्यक्रम के सफल संचालन में इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी के कार्यकर्ता दल की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही। उन्होंने उपस्थित जनों से अपील की कि थोड़ा-थोड़ा सहयोग जब एक साथ जुड़ता है, तो किसी की भूख मिटाने का सुख समाज में आशा की किरण बन जाता है।

संस्था के कार्यकर्ताओं और सहयोगियों ने मिलकर लगभग 1500 जरूरतमंदों को सप्रेम पूड़ी, मिक्सवेज और मिष्ठान में हलुआ परोसा गया।

कार्यक्रम में पंकज राय, संजय श्रीवास्तव, दीपक भुटियानी, पीयूष श्रीवास्तव, विकास पाण्डेय, मुकेश कनौजिया, अखिलेश सिंह, दिनेश पाण्डेय, नवल सिंह, गोविन्द सिंह ठाकुर और दिव्यांश शर्मा सहित अनेक समाजसेवियों ने सक्रिय योगदान दिया।

अंत में, सभी उपस्थित लोगों ने इसे एक प्रेरणादायक एवं हृदयस्पर्शी अनुभव बताते हुए ऐसे सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

पूर्णिया कोट- आनंद विहार टर्मिनल सहित रिशिड्यूल रहेंगी ये ट्रेनें, यहां देखें पूरी लिस्ट

रेलवे ने झिलाही-मोतीगंज स्टेशनों के मध्य हो इंजीनियरिंग कार्य के चलते ब्लॉक दिया है जिसकी वजह से कई ट्रेनों को रि-शिड्यूलिंग एवं नियंत्रित किया गया है। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश , बिहार और दिल्ली के यात्रियों के लिए यह बेहद जरूरी है कि यात्रा से पहले इन ट्रेनों के बारे में पूरी जानकारी कर के ही घर से निकले। रेलवे प्रशासन ने ट्रेनों की पूरी सूची जारी कर दी है।

रि-शिड्यूलिंग

पूर्णिया कोर्ट से 13, 15, 20, 22, 27 एवं 29 अक्टूबर तथा 03 एवं 05 नवम्बर, 2025 को चलने वाली 05579 पूर्णिया कोर्ट-आनन्द विहार टर्मिनल विशेष गाड़ी पूर्णिया कोर्ट से 03 घंटे 30 मिनट रि-शिड्यूल कर चलाई जायेगी। मानसी से 12, 14, 16, 19, 21, 23, 26, 28 एवं 30 अक्टूबर तथा 02, 04 एवं 06 नवम्बर, 2025 को चलने वाली 04453 मानसी-नई दिल्ली विशेष गाड़ी मानसी से 02 घंटे रि-शिड्यूल कर चलाई जायेगी।

कटिहार से 15, 22 एवं 29 अक्टूबर तथा 05 नवम्बर, 2025 को चलने वाली 05736 कटिहार-अमृतसर विशेष गाड़ी कटिहार से 01 घंटा 30 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी। कटिहार से 13, 15, 18, 20, 22, 25, 27 एवं 29 अक्टूबर तथा 01, 03 एवं 05 नवम्बर, 2025 को चलने वाली 15707 कटिहार-अमृतसर एक्सप्रेस वाराणसी मंडल में 35 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी

भारतीय रेल पर 01 से 15 अक्टूबर, 2025 तक मनाये जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा-2025 के बारहवें दिन 12 अक्टूबर, 2025 को 'स्वच्छ प्रसाधन एवं स्वच्छ पर्यावरण' थीम के अन्तर्गत मुख्यालय गोरखपुर, लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर प्रसाधनों की गहन साफ-सफाई की गई तथा पर्यावरण को स्वच्छ रखने हेतु यात्रियों को जागरूक किया गया।

12 अक्टूबर, 2025 को लखनऊ मंडल के प्रमुख स्टेशनों, कोचिंग डिपो, कार्यालयों, चिकित्सालयों, स्वास्थ्य इकाइयों, रेलवे आवासी कॉलोनियों में प्रसाधनों की साफ-सफाई की गई। लीकेज पाइप्स, ड्रेनेज सिस्टम आदि की मरम्मत की गई। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से रेलवे ट्रैक पर गंदगी न करने हेतु लोगों को जागरूक किया गया। स्टेशनों पर दिव्यांगजनो के प्रसाधनों की सफाई की गई। पर्यावरण को स्वच्छ रखने हेतु जागरूकता अभियान चलाया गया। साथ ही नवोन्मेशी कार्य करते हुये निराकृत सामग्रियों से 'वेस्ट टू वेल्थ' (कलाकृतियाँ) पर प्रदर्शनी लगाई गई।

मानवता की थाली से बंटा प्रेम-बृज की रसोई में जरूरतमंदों के बीच पहुँचा स्नेह

(जीएनएस)।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के आशियाना क्षेत्र में 12 अक्टूबर 2025 को प्रेरणास्रोत बाबा नीम करौली जी की कृपा और इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी (पंजी.) के सहयोग से रविवार को बृज की रसोई के अंतर्गत निःशुल्क भोजन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था के सदस्य संजय श्रीवास्तव ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य अकिंचन, निराश्रित, असहाय बच्चों और बुजुर्गों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना तथा उन्हें समाज के स्नेह और अपनत्व का एहसास कराना है।

विकास पाण्डेय ने अवगत कराया कि सेवा कार्य प्रारंभ होने से पूर्व सभी स्वयंसेवक साईं मंदिर, सेक्टरझ्जे (आशियाना) पर एकत्र हुए, जहाँ से सेवा स्थल के लिए प्रस्थान किया गया। वहीं दीपक भुटियानी ने बताया कि मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है का संदेश लेकर भोजन वितरण कार्य सेक्टरझ्एम रिक्शा कॉलोनी, रतन खंड पार्क, डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के निकट झुग्गी-झोपड़ियाँ, निमार्णाधीन भवनों में कार्यरत श्रमिकों के अस्थायी निवास, नगर निगम जोन-8 की मलिन बस्तियाँ तथा रतनखंड पानी टंकी सहित अनेक क्षेत्रों में सम्पन्न हुआ। संस्था के संस्थापक विपिन शर्मा ने बताया कि बृज की रसोई का यह अभियान निरंतर संचालित है और समाज के सभी वर्गों से सहयोग प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि भूखे को अन्न और असहाय को सम्मान देना ही सच्ची पूजा है, हमारा प्रयास है कि कोई भी पेट भूखा न रहे। इस अवसर पर रामकथा आयोजक समिति सेक्टर आई से आदित्य शुक्ला एवं उनके सहयोगियों ने भी उत्साहपूर्वक भोजन वितरण में भागीदारी निभाई।

कार्यक्रम में स्थानीय निवासियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, महिलाओं तथा युवाओं ने भी सेवाभाव से सक्रिय सहयोग किया। बच्चों के चेहरों की मुस्कान और बुजुर्गों की दुआओं ने इस आयोजन को भावनात्मक बना दिया, जिसने समाज सेवा की एक सजीव मिसाल प्रस्तुत की।

पीयूष श्रीवास्तव ने बातचीत में कहा कि कार्यक्रम के सफल संचालन में इण्डियन हेल्पलाइन सोसाइटी के कार्यकर्ता दल की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही। उन्होंने उपस्थित जनों से अपील की कि थोड़ा-थोड़ा सहयोग जब एक साथ जुड़ता है, तो किसी की भूख मिटाने का सुख समाज में आशा की किरण बन जाता है। संस्था के कार्यकर्ताओं और सहयोगियों ने मिलकर लगभग 1500 जरूरतमंदों को सप्रेम पूड़ी, मिक्सवेज और मिष्ठान में हलुआ परोसा गया। कार्यक्रम में पंकज राय, संजय श्रीवास्तव, दीपक भुटियानी, पीयूष श्रीवास्तव, विकास पाण्डेय, मुकेश कनौजिया, अखिलेश सिंह, दिनेश पाण्डेय, नवल सिंह, गोविन्द सिंह ठाकुर और दिव्यांश शर्मा सहित अनेक समाजसेवियों ने सक्रिय योगदान दिया। अंत में सभी उपस्थित लोगों ने इसे एक प्रेरणादायक एवं हृदयस्पर्शी अनुभव बताते हुए ऐसे सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

बिहार विधानसभा चुनाव : इन 52 सीटों से ही होगा इस बार भी फैसला! यहीं से निकलेगी सत्ता की चाबी

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, राजनीतिक संग्राम भी तेज हो रहा है। एनडीए ने सीट शेयरिंग का ऐलान कर दिया है जबकि महागठबंधन में अभी वार्ता ही चल रही है। चुनावी उठा-पटक के दौर के बीच ही एक बार फिर नजरें उन 52 सीटों पर टिक गई हैं, जो इस बार सत्ता की कुंजी साबित हो सकती हैं। 2020 के चुनाव में ये सीटें बेहद करीबी अंतर से जीती गई थीं।

कुछ सीटों पर हार-जीत का फैसला कुछ सौ वोटों से हुआ था। यही सीटें एक बार फिर एनडीए (ठऊअ) और महागठबंधन दोनों के लिए निर्णायक बन सकती हैं। इनमें सीमांचल की सीटों से लेकर नालंदा, शेखपुरा और सिवान की भी कई सीटें शामिल हैं। इस बार दो प्रमुख गठबंधन के अलावा प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज भी मैदान में है। त्रिकोणीय मुकाबला होने की वजह से इसकी आशंका है कि चुनाव में हार-जीत का अंतर और भी कम हो सकता है।

बिहार चुनाव 2020 में 32 सीटों पर जीत का अंतर था बेहद मामूली

2020 के विधानसभा चुनाव में बिहार की हिलसा (ल्ल'२) सीट सबसे चर्चित रही थी, जहां जेडीयू उम्मीदवार ने महज 12 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की थी। वहीं बरबीघा (इं१ुँ) में 133 वोटों से और रामगढ़ (फॅं१ुँ) में 189 वोटों से परिणाम तय हुआ। इसके अलावा भोरे, देहरी, बछवारा और चकाई जैसी सीटों पर भी जीत का अंतर 600 वोटों से कम था। कुछ सीटें ऐसी थीं जहां जीत का अंतर 1000 से कम था। कुल 32 सीटें ऐसी थीं जहां जीत का अंतर 1500 से भी कम था।

- इन 52 सीटों में से 20 पर ठऊअ ने पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव में बढ़त हासिल की।

- वहीं महागठबंधन ने उन 6 सीटों पर बढ़त बनाई, जहां 2020 में ठऊअ विजयी रहा था।
- इन सीटों पर जातीय समीकरण, स्थानीय उम्मीदवारों की छवि और गठबंधन का तालमेल अहम भूमिका निभाएगा। राजनीतिक विशेषज्ञों के अनुसार, इन सीटों पर वोटिंग ट्रेंड पूरे राज्य के चुनाव परिणाम की दिशा तय कर सकता है।

किन जिलों में हैं ये 52 सीटें

- नालंदा, शेखपुरा, औरंगाबाद, और सिवान जिलों की कई सीटें इस लिस्ट में शामिल हैं।
- मगध क्षेत्र की सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबला देखा जा सकता है।
- कोसी और सीमांचल क्षेत्र में महागठबंधन अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश में है, जबकि ठऊअ ने यहां नए सामाजिक समीकरण साधने शुरू कर दिए हैं।

यह भी पढ़ें: ईं१ उँ४ल्लं५: ठऊअ में सीट शेयरिंग फाइनल, इखढ-खउ्र को मिली बराबर सीटें, चिराग और मांझी को क्या मिला?

त्रिकोणीय मुकाबले ने बढ़ाई ठऊअ-महागठबंधन की टेंशन?

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि 2025 के चुनाव में भी इन 52 सीटों का गणित अहम है। यही तय करेगा कि पटना की सत्ता पर ठऊअ काबिज रहेगा या महागठबंधन वापसी करेगा। दलों के लिए यह सिर्फ सीटें नहीं बल्कि सत्ता का समीकरण हैं। पिछली बार मुख्य मुकाबला एनडीए

भोपाल : आउटसोर्स कर्मचारियों का आक्रोश: अंबेडकर पार्क में हजारों ने घेरा, समान वेतन-सुविधाओं की मांग

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के अंबेडकर पार्क में आज एक बड़ा आंदोलन देखने को मिला। मध्य प्रदेश आउटसोर्स कर्मचारी संघ के बैनर तले हजारों की संख्या में आउटसोर्स कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। संगठन के प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव ने वन इंडिया हिंदी को दिए इंटरव्यू में कहा, "अगर मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा शोषण किसी का हो रहा है, तो वह आउटसोर्स कर्मचारी हैं।

न समान वेतन, न सुविधाएं, और बिचौलियों के कारण हर महीने नौकरी का संकट। हम रेगुलर कर्मचारियों से

ज्यादा मेहनत करते हैं, लेकिन दिहाड़ी मजदूरों जैसा वेतन पाते हैं।" भार्गव ने श्रम कानूनों के उल्लंघन पर सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी, जिससे प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था चरमरा सकती है।

भोपाल में आउटसोर्स कर्मचारियों का दिखा आक्रोश

यह प्रदर्शन मध्य प्रदेश के विभिन्न विभागों - स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायत, बिजली और जल जीवन मिशन - में कार्यरत करीब 2.75 लाख आउटसोर्स कर्मचारियों की लंबे समय से चली आ रही पीड़ा का प्रतीक है। हाल ही में हाईकोर्ट के आदेशों की अवहेलना और एरियर भुगतान में देरी ने आक्रोश को चरम पर पहुंचा दिया है। कर्मचारियों ने नारे लगाए - "समान काम, समान वेतन!", "बिचौलियों का अंत!" - और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को ज्ञापन सौंपने की योजना बनाई। विपक्ष ने इसे "मोहन सरकार की विफलता" बताते हुए समर्थन का ऐलान किया, जबकि सरकार ने "वार्ता का आश्वासन" दिया है।

क्या आईपीएल 2026 में खेलेंगे 27 करोड़ रुपये में खरीदे गए ऋषभ पंत? टीम से दो स्टार्स की छुट्टी तय! जानें नाम

(जीएनएस)।

लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) के लिए आईपीएल (IPL 2025) का सीजन बेहद निराशाजनक रहा था। साल 2022 में लीग में शामिल हुई इस फ्रैंचाइजी ने पहले दो साल प्लेऑफ में जगह बनाई थी। लेकिन पिछले सीजन में टीम 14 मैचों में सिर्फ 6 जीत के साथ सातवें स्थान पर रही और उसका नेट रन रेट भी नेगेटिव था। इस खराब प्रदर्शन के बाद क्ढछ 2026 की नीलामी से पहले टीम में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

माना जा रहा है कि लखनऊ अपने पर्स में बड़ी रकम जोड़ने के लिए कुछ बड़े नामों को रिलीज कर सकती है। आईपीएल 2025 की नीलामी में 27 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड कीमत पर बिकने वाले ऋषभ पंत को लखनऊ ने कप्तान भी बनाया था। हालांकि, उनका प्रदर्शन उनकी कीमत के अनुरूप नहीं रहा। पंत आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बने,

लेकिन एक कप्तान के रूप में टीम को सफलता नहीं दिला पाए।

बल्लेबाज के रूप में भी पंत सिर्फ 269 रन ही बना पाए। जो साल 2016 में अपने डेब्यू के बाद से उनका सबसे कम सीजन टोटल है। टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करने वाले पंत का लिमिटेड ओवर फॉर्मेट में फॉर्म अच्छा नहीं रहा है। उनके खराब प्रदर्शन के चलते LSG उन्हें रिलीज करके नीलामी से पहले एक बड़ी राशि अपने पर्स में वापस लाना चाहेगी। वहीं दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी बल्लेबाज डेविड मिलर भी LSG की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए। अपनी पावर-हिटिंग के लिए मशहूर मिलर ने 11 मैचों में केवल 153 रन बनाए। यह उनके स्तर के हिसाब से बेहद कम स्कोर है। लखनऊ के पास पहले से ही मिचेल मार्श और एडेन मार्करम जैसे अन्य मजबूत विदेशी खिलाड़ी मौजूद हैं। मिलर के खराब फॉर्म को देखते हुए टीम प्रबंधन उन्हें रिलीज करके IPL 2026 की नीलामी में किसी नए और प्रभावी विदेशी खिलाड़ी को मौका दे सकता है। फिलहाल, LSG की ओर से किसी भी खिलाड़ी को रिलीज करने की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। लेकिन टीम के निराशाजनक प्रदर्शन को देखते हुए ये दो बड़े नाम नीलामी से पहले चर्चा में बने हुए हैं।